

18/11/24 पत्रावलि पेश हुई। प्रार्थना व  
प्रार्थना के अभाव में उप नदी बाट  
बाट आवे लगी है। बावजूद अलग  
उपस्थित नदी। कतः पत्रावलि अलग  
पैकी अलग शकरी शकल की जाती

हुई  


